गुरु

स्वामी सत्यानन्द के चयनित सत्संग

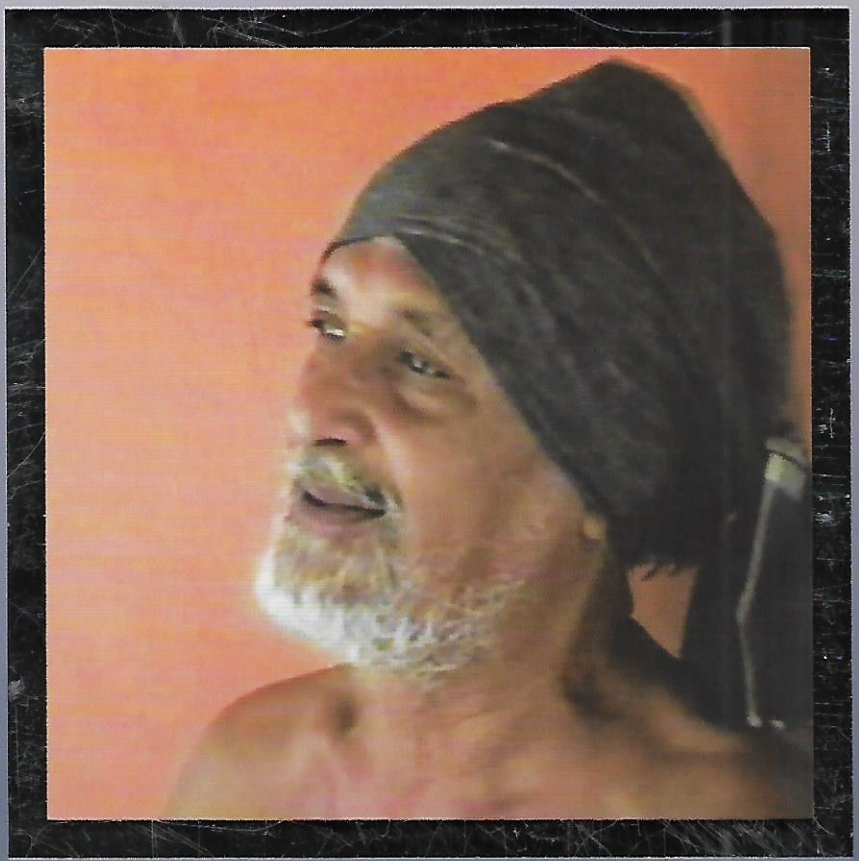

रिखियापीठ, झारखण्ड, भारत

University Department of Yoga RU
No/PGDY/....106....
Library

गुरु

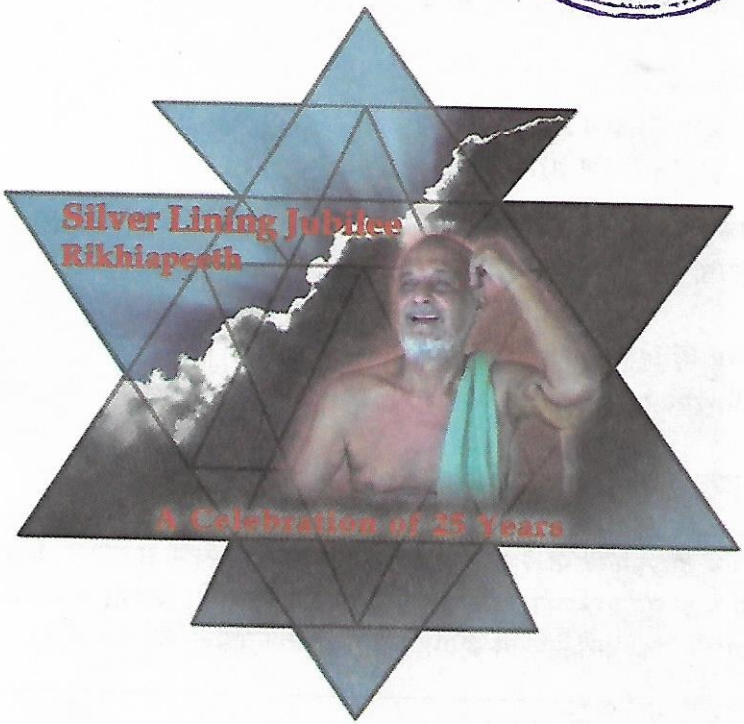

With kind regards, ॐ and prem

Swami Niranjan Swami Satyasangananda

PG Department of Yoga
Ranchi University, Ranchi

अनुक्रमणिका

1.	भूमिका	1
2.	गुर्वष्टकम्	2
3.	आज्ञाकारिता द्वारा अहंकार का निर्मूलन	5
4.	बौद्धिक अवधारणा नहीं केवल श्रद्धा-विश्वास	9
5.	गुरु और शिष्य के बीच आध्यात्मिक सम्प्रेषण	13
6.	गुरु-भक्ति	16
7.	प्रत्येक गुरु दिव्यालोक संपन्न है	20
8.	गुरु एक प्रेरणा स्रोत	23
9.	गुरु के प्रति समर्पण	28
10.	गुरु की आवश्यकता	30
11.	गुरु कृपा ही केवलम्	34
12.	गुरुवर तुम्हारे चरणों में	36
13.	गुरु के सान्निध्य में संचार योग	38
14.	गुरु की सेवा	43
15.	गुरु-कृपा	49

16. गुरु परम्परा 52
17. हनुमान् जी - एक पक्के शिष्य 54
18. शिष्य को निर्देश 56
19. शिष्यत्व ग्रहण करना 61
20. उन्मुक्त मन 63
21. वितलीय भक्ति 68
22. बम् लहरी 70
23. गुरु द्वारा शक्तिपात् 72
24. गुरु के साथ आत्मिक सम्बन्ध 75
25. गुरु की भूमिका 77
26. गुरु का सान्निध्य 80
27. शिक्षा गुरु और दीक्षा गुरु 83
28. गुरु और भगवान 87
29. गुरु और आध्यात्मिक जीवन 91
30. गुरु-भक्ति योग 96
31. गुरु - अपरिहार्य उपादान 103
32. गुरु के प्रति आसक्ति नहीं बल्कि श्रद्धा-भक्ति और विश्वास 107
33. गुरु-केवल एक 110
संदर्भ 115